दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

बधाई एवं अवकाश सूचना

सभी पाठकों को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...
होली के अवसर पर न्याय साक्षी कार्यालय में 18 व 19 मार्च को अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 21 मार्च को प्रकाशित होगा।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार, 18 मार्च 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 170

कई राज्यों में 21 मार्च तक होगी मूसलाधार बारिश : आईएमडी ने जारी की चेतावनी

दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और अंडमान तटीय क्षेत्र में न जाने मछुआरों को दी सलाह

नई दिल्ली । दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर के ऊपर बना कम दबाव का एक क्षेत्र अगले सप्ताह की शुरुआत में एक चक्रवात में बदलने की उम्मीद है और ऐसा पूर्वानुमान है कि यह बांग्लादेश और उससे सटे उत्तरी म्यांमा की ओर बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने कहा कि बाद में यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की ओर बढ़ने से पहले कम दबाव का क्षेत्र में बदल गया। मौसम प्रणाली के 21 मार्च को एक चक्रवाती तूफान में बदलने और 22 मार्च तक उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने का अनुमान है।

जब यह चक्रवात में बदल जाता है, तो इसका नाम 'आसनी' रखा जाएगा, जो कि श्रीलंका द्वारा सुझाया गया एक नाम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने आसनी के बारे में चेतावनी जारी करते हुए गुरुवार को कहा कि चक्रवाती तूफान में तेज होने की वजह से कुछ क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि इस बीच, राजस्थान में भीषण लू चलने की संभावना है। इसके अलावा जम्मू, हिमाचल और गुजरात सहित कई अन्य राज्यों में भी लू चलने की संभावना है।

मौसम कार्यालय ने मछुआरों को सलाह दी है कि वे गुरुवार तथा शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और अंडमान तटीय क्षेत्र में न जाएं। IMD ने मछुआरों को शनिवार और मंगलवार के बीच अंडमान सागर और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर नहीं जाने की सलाह दी है। अंडमान और निकोबार

द्वीप समूह में रविवार को तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

आईएमडी ने जारी की बारिश की चेतावनी

- 18 मार्च को निकोबार द्वीप समूह में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश के साथ अधिकांश स्थानों पर गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।
- 19 मार्च को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश के साथ अधिकांश स्थानों पर गरज के साथ निकोबार द्वीप समूह में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 20 मार्च को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में कुछ स्थानों पर भारी बारिश और अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।
- 21 मार्च को अंडमान द्वीप समूह में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ छिटपुट और भारी बारिश होने की संभावना है।

हवा की भी चेतावनी

- 17 और 18 मार्च को 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाएं बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर पर प्रबल होने की संभावना है।
- 19 मार्च को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अंडमान सागर और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।
- 20 मार्च को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, अंडमान सागर और इससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में 55 से 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है और उसके बाद धीरे-धीरे इसमें वृद्धि होगी।

महत्वपूर्ण एवं खास

राष्ट्रपति ने होली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को दी बधाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने होली की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा होली के शुभ अवसर पर, मैं देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। वसंत ऋतु के आगमन का शुभ समाचार लेकर आने वाला रंगों का पर्व होली, हमारे जीवन में खुशियां और उमंग लेकर आता है। यह पर्व सामाजिक सद्भाव और मेल-मिलाप का जीवंत उदाहरण है। हर उम्र और हर वर्ग के बच्चे, युवा, पुरुष और महिलाएं पूरे उल्लास के साथ इस त्योहार को मनाते हैं। मेरी कामना है कि रंगों का यह त्योहार सभी के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करे तथा राष्ट्र निर्माण की भावना को भी प्रबल बनाए।

पीएम आज 'मातृभूमि' के शताब्दी वर्ष के क्रम में वर्षभर चलने वाले समारोहों का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 18 मार्च, 2022 को 11 बजे पूर्वाह्न मलयालम दैनिक 'मातृभूमि' के शताब्दी वर्ष के क्रम में वर्षभर चलने वाले समारोहों का उद्घाटन करेंगे। 'मातृभूमि' का प्रकाशन 18 मार्च, 1923 से आरंभ हुआ था। वह सामाजिक सुधारों तथा विकास सम्बंधी मुद्दों को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। साथ ही वह राष्ट्रीय हितों के मुद्दों को भी उजागर करता रहा है। 'मातृभूमि' के 15 संस्करण और 11 पत्र-पत्रिकायें हैं। इसके अलावा 'मातृभूमि बुक्स' प्रभाग विस्तृत समसामयिक विषयों पर पुस्तकों का प्रकाशन करता है।

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक 180.80 करोड़ से अधिक लगे टीके

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 180.80 करोड़ (1,80,80,24,147) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 2,12,61,666 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। 12-14 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च,2022 को प्रारंभ हुआ था। बीते चौबीस घंटे में 3 लाख(3,00,405) से अधिक किशोरों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई। लगातार गिरावट दर्ज करते हुए भारत में सक्रिय मामले आज कम होकर 30,799 रह गए। सक्रिय मामले कुल मामलों के 0.07 प्रतिशत हैं। नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 98.73 प्रतिशत है।पिछले 24 घंटों में 4,491 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 4,24,54,546 हो गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 2,539 नए मामले सामने आए। 24 घंटों में कुल 7,17,330 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 78.12 करोड़ से अधिक (78,12,24,304) जांच की गई हैं। साप्ताहिक और दैनिक पुष्टि वाले मामलों की दर में भी लगातार गिरावट दर्ज की गई है। देश में साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.42 प्रतिशत है और दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 0.35 प्रतिशत है।

प्रदेश भाजपा में अनेक दिग्गज नेताओं की नई पीढ़ी सियासी लांचिंग को तैयार, पीएम ने परिवारवाद को लोकतंत्र का दुश्मन बताया

भोपाल (आरएनएस)। भाजपा संसदीय दल की बैठक में यूपी चुनाव के बहाने परिवारवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो टूक विचार सुनकर मध्यप्रदेश के नेता-पुत्रों की नींद उड़ी हुई है। मिशन-2023 के मद्देनजर भाजपा में कई दिग्गज नेताओं की नई पीढ़ी के सियासी मैदान में जोर-शोर से लांचिंग की तैयारी में है। पार्टी में एक-दो नहीं ऐसे नेताओं कल लंबी फेहरिस्त है जिनके बेटे-बेटी उनकी सियासी विरासत संभालने को आतुर हैं। लेकिन पीएम मोदी ने परिवारवाद को लोकतंत्र का दुश्मन बताते जिस अंदाज में प्रतिक्रिया दी हे उससे कई नेताओं की भावी प्लानिंग पर आशंकाएं गहरा गई हैं। प्रदेश में जिन दिग्गज भाजपा नेताओं की नई पीढ़ी सियासी मैदान में उतरने के लिए कमर कस चुकी है उनमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे कार्तिकेय सहित केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र प्रताप, ज्योतिरादित्य सिंधिया के पुत्र महाआर्यन, गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के पुत्र सुकर्ण, गोपाल भार्गव के बेटे अभिषेक और पूर्व सांसद प्रभात झा के बेटे तृष्मूल भी शामिल हैं।

जेल में बंद डॉन ने यूपी विधान परिषद में फिर से चुनाव की मांग की

वाराणसी (आरएनएस)। जेल में बंद माफिया डॉन और निवर्तमान एमएलसी बृजेश सिंह ने वाराणसी से विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है। वाराणसी, भदोही और चंदौली जिले वाली यह सीट 1998 से उनके परिवार के पास है। उनकी पत्नी और पूर्व एमएलसी अन्नपूर्णा सिंह ने भी इसी सीट से पर्चा दाखिल किया है। बृजेश ने 2016 में अपनी पत्नी के कार्यकाल पूरा करने के बाद चुनाव जीता था। उप जिला चुनाव अधिकारी और एमएलसी (स्थानीय निकाय) चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी, रण विजय सिंह ने कहा कि दो उम्मीदवारों, बृजेश सिंह और अन्नपूर्णा सिंह ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले, लोक दल के एक जय राम ने अपना नामांकन दाखिल किया था।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, एमएलसी चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 21 मार्च तक जारी रहेगी। 4 फरवरी को जब नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई तो बृजेश और उनकी पत्नी ने फॉर्म खरीदे थे, लेकिन विधानसभा चुनाव को देखते हुए चुनाव स्थगित कर दिया गया था। वाराणसी निर्वाचन क्षेत्र के लिए स्थानीय निकाय चुनाव के रिकॉर्ड बताते हैं कि 1998 में, बृजेश के भाई उदयनाथ सिंह उर्फ चुलबुल सिंह ने पहली बार इस सीट को जीता था और 2004 में इसे बरकरार रखा था।

2010 में, अन्नपूर्णा ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर चुनाव लड़ा और विजयी हुईं। 2012 में, बृजेश ने शुरू में राज्य के विधानसभा चुनाव में चंदौली जिले के सैय्यदराजा सीट से एक कम प्रसिद्ध राजनीतिक दल, प्रगतिशील मानव समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लडक़र अपनी किस्मत आजमाई थी।

मध्यप्रदेश के नए दस मंजिला हाईटेक ऑफिस पर उतर सकेगा हेलिकॉप्टर

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी अपने प्रदेश कार्यालय के भव्य रूप देने की तैयारी कर रही हे, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास स्थित भाजपा का प्रदेश कार्यालय एशिया का सबसे बड़ा कार्यालय माना जाता था, लेकिन दिल्ली में बने पार्टी कार्यालय और अन्य पार्टियों के दफ्तरों के बाद इसका यह दर्जा जाता रहा, अब पार्टी 2023 के विधानसभा चुनाव के पहले भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर ऐसा दफ्तर बनाने की तैयारी कर रही है जिसमें पार्किंग से लेकर कम्युनिकेशन, मीडिया आदि क्षेत्रों की सभी जरूरतों को एक ही कैम्पस में पूरा किया जा सके। इसके अलावा कार्यालय की छत पर हेलीकॉप्टर भी उतारा जा सकेगा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने स्वीकार किया कि पार्टी मौजूदा कार्यालय के स्वरूप को भव्य रूप देने की तैयारी कर रही है हालांकि शर्मा अभी इस बारे में ज्यादा कुछ बताने के मूड में नहीं हैं। जबकि सूत्रों का कहना है कि निर्माण के लिए कुछ बड़ी कंस्ट्रक्शन कंपनियों से बातचीत चल रही है। डिजाइन फाइनल होना बाकी है। यह ऑफिस दस मंजिला होगा और करीब 50 हजार वर्गफिट में कंस्ट्रक्शन होगा, माना जा रहा है ऑफिस निर्माण की लागत करीब 150 करोड़ रुपये या इससे ज्यादा भी हो सकती है भाजपा

के वर्तमान प्रदेश कार्यालय ने 1991 में तत्कालीन मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा ने कार्यालय में आकर लिया तब हबीबगंज यानि आज का रानी कमलापति रेलवे स्टेशन इलाका विस्तार ले रहा था। भाजपा के नेताओं को भरोसा था कि यह क्षेत्र भविष्य में राजधानी का कोर एरिया होगा। यही बात ध्यान में रखते हुए करीब ढाई एकड़ का भूखंड पार्टी दफ्तर के लिए आंवटित किया गया था। जिसमें 20 हजार वर्ग फिट की बिल्डिंग बनाई गई। करीब 27 हजार वर्ग फिट पर कामर्शियल स्पेस है। हालांकि अभी भी ऑफिस परिसर में पार्किंग की बड़ी समस्या है। नई बिल्डिंग में बेसमेंट में पार्किंग होगी और अन्य फ्लोर पर अलग-अलग काम होंगे। भाजपा ने पिछले कुछ सालों में अपने पार्टी दफ्तरों पर फोकस किया है। दिल्ली में आठ हजार वर्ग मीटर में हाईटेक ऑफिस फरवरी 2018 में शुरु किया गया। इसी तरह मप्र के जबलपुर ऑफिस को भी नई रंगत दी गई, इसके साथ ही भोपाल स्थित जिला कार्यालय को भी संवारा गया।

ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी को ईडी का समन, कोयला घोटाले में पूछताछ के लिए बुलाया

कोलकाता (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक बनर्जी और उनकी पत्नी रुजीरा बनर्जी को समन भेजा है। इन दोनों से कोयला घोटाले के सिलसिले में अगले हफ्ते पूछताछ होगी। ईडी ने अभिषेक को 21 मार्च और उनकी पत्नी को 22 मार्च को जांचकर्ताओं के सामने पेश होने को कहा है। अभिषेक को ईडी ने पहले भी इस मामले में तलब किया था और वह दिल्ली में जांच अधिकारियों के सामने पेश हुए थे।

पिछले साल 21 फरवरी को, सीबीआई की एक टीम ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक के आवास का दौरा किया

था। ईडी ने कोयला घोटाले में कथित संबंध को लेकर अभिषेक की पत्नी और उनकी भाभी मेनका गंभीर को तलब किया था। रुजिरा से पूछताछ के बाद सीबीआई के अधिकारियों ने कहा कि वे उसके जवाब से संतुष्ट नहीं हैं।

अभिषेक-रुजीरा को दिल्ली हाई कोर्ट से लगा था झटका

कुछ दिन पहले ही अभिषेक और रुजीरा को दिल्ली हाई कोर्ट से उस वक्त तगड़ा झटका लगा था, जब अदालत ने इस मामले में जारी समन को रद्द करने की मांग नहीं मानी थी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 48 जांच एजेंसी को आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के मामले में क्षेत्रीय रूप से प्रतिबंधित नहीं करती है। कोर्ट ने कहा कि सीआरपीसी अपने अधिकार क्षेत्र के प्रयोग के संदर्भ में पुलिस अधिकारियों पर लगाए गए क्षेत्रीय सीमाओं की ओर इशारा करता है।

ईडी ने पीएमएलए के प्रावधानों के तहत सीबीआई की ओर से दर्ज नवंबर 2020 की प्राथमिकी के आधार पर मामला दर्ज किया है। इसमें आसनसोल और उसके आसपास राज्य के कुनुस्तोरिया और कजोरा इलाकों में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की खदानों से संबंधित करोड़ों रुपये का कोयला चोरी का आरोप लगाया गया था। स्थानीय कोयला संचालक अनूप मांझी उर्फ लाला को इस मामले में मुख्य संदिग्ध बताया जा रहा है। ईडी ने दावा किया था कि टीएमसी सांसद इस अवैध कारोबार से प्राप्त धन के लाभार्थी हैं। हालांकि सांसद ने सभी आरोपों से इनकार किया है।

होली के बाद लोकतांत्रिक जनता दल का राष्ट्रीय जनता दल में विलय करेंगे शरद यादव

पटना (आरएनएस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद यादव ने अपनी पार्टी लोकतांत्रिक जनता दल को लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के विलय करने का ऐलान किया है। शरद यादव ने कहा है कि 20 मार्च को उनकी पार्टी का आरजेडी में विलय हो जाएगा। शरद यादव के मुताबिक जनता परिवार को मजबूत करने की कोशिश के तहत वो ये कदम उठा रहे हैं। कहा जा रहा है कि खराब सेहत की वजह से भी शरद यादव अपनी पार्टी का विलय करना चाहते हैं। नीतीश कुमार से अलग होने के बाद से लोकतांत्रिक जनता दल कभी अपना प्रभाव नहीं दिखा सकी। राष्ट्रीय जनता दल में लोकतांत्रिक जनता दल के विलय को शरद यादव और लालू यादव के राजनीतिक करियर के विराम के तौर पर भी देखा जा रहा है। गौरतलब है कि चारा घोटाले में नाम आने के बाद लालू यादव 1997 में जनता दल से बाहर निकल गए थे और खुद की पार्टी बनाई थी। इसके पीछे कारण ये था कि चारा घोटाले को लेकर पार्टी के भीतर ही लालू यादव पर सवाल उठने लगे थे क्योंकि वो इस घोटाले के मुख्य आरोपी थे। शरद यादव को उस वक्त लालू यादव का विरोधी समझा जाता था। 2005 में शरद यादव ने बिहार में लालू यादव के 15 साल के शासन को खत्म करने के लिए नीतीश कुमार का साथ भी दिया. शरद यादव ने अपनी पार्टी के विलय के सवाल पर कहा कि जनतांत्रिक जनता पार्टा की विलय जनता परिवार को साथ लाने की उनकी कोशिश का नतीजा है।

गोवा में कांग्रेस की स्थिति समझेंगी रजनी पाटिल, अध्यक्ष पद समेत कई चुनौतियों से होगा सामना

पणजी (आरएनएस)। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने चुनाव के बाद की स्थिति की समीक्षा और संगठन में बदलाव के सुझाव के लिए 5 नेताओं को नियुक्त किया है। इनमें राज्यसभा सांसद रजनी पाटिल का नाम भी शामिल है। पार्टी नेतृत्व के लिए गोवा के सियासी हाल की जानकारी जुटाने निकलीं पाटिल के लिए समय व्यस्त रहने वाला है। क्योंकि इस दौरान वे गोवा में पार्टी को हार के दौर से उबारने की कोशिश करेंगी। खास बात है कि पार्टी को गोवा में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन नतीजों में निराशा हाथ लगी। इसके अलावा गिरीश चूड़ांकर की तरफ से इस्तीफे की घोषणा के बाद राज्य में पार्टी लीडरशिप को लेकर भी चर्चाएं तेज हो रही हैं। नेताओं के पार्टी बदलने और सरकार के खिलाफ नाराजगी के बीच कांग्रेस 11 सीटें ही हासिल कर सकी। हालांकि, इससे पहले भी साल 2012 में ऐसा दौर आया था, जब पार्टी को 9 सीटें ही मिल सकी थी। 2022 चुनाव में कांग्रेस के सहयोगी दल गोवा फॉरवर्ड पार्टी ने 3 सीटों पर चुनाव लड़ा और एक जीतने में सफलता हासिल की।

राज्य में पार्टी की हार के बाद ही गोवा कांग्रेस के अध्यक्ष गिरीश चूड़ांकर ने भी पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। साल 2018 में पार्टी तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की तरफ से प्रदेश इकाई के प्रमुख बनाए गए चूड़ांकर के कार्यकाल में कांग्रेस को कई चुनावों में हार का सामना करना पड़ा। इनमें 2019 के उपचुनाव शामिल है, जहां पार्टी को एक ही सीट मिल सकी थी। यहां भी कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लडऩे वाले एटेनाजियो मॉन्जरेट भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। यहां तक कि चूड़ांकर ने भी पणजी उपचुनाव और उत्तर गोवा सीट से लोकसभा चुनाव में किस्मत आजमाई, लेकिन दोनों बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा।

चूड़ांकर को पार्टी की कमान ऐसे समय पर दी गई थी, जब कांग्रेस राहुल गांधी के साथ नेतृत्व स्तर के पदों के लिए युवा चेहरों के लिए उत्साहित थी। लेकिन दल बदल और नेतृत्व पर भरोसे की कमी से जूझ रही पार्टी को एकजुट करने में चूड़ांकर असफल रहे। हालांकि, इससे पहले भी वे पद से इस्तीफा देने की पेशकश कर चुके हैं, लेकिन पार्टी ने उन्हीं के साथ बने रहने का फैसला किया।

कौन संभाल सकता है पद?

फिलहाल, यह साफ नहीं है कि चूड़ांकर की जगह कौन लेगा। स्थिति देखी जाए, तो पार्टी के पास पद के लिए ज्यादा विकल्प भी मौजूद नहीं हैं। वरिष्ठ नेताओं में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और वर्तमान में कार्यकारी अध्यक्ष एलेक्सियो सीचेंरा का नाम है। वहीं, युवा चेहरे को देखें, तो गोवा प्रदेश युवा अध्यक्ष संकल्प अमोनकर का नाम सामने आता है। भाजपा के मिलिंद नाइक को हराकर अमोनकर इस महीने पहली बार चुने गए हैं। दोनों में से खासतौर से कोई ऐसा विकल्प नहीं है, जो कांग्रेस को दोबारा तैयार कर सकेगा।

गोपनीयता की शर्त पर एक कांग्रेस नेता बताते हैं, अमोनकर कांग्रेस के बारे में जानते हैं और पार्टी के संगठन से परिचित हैं। विधायक होने के चलते शीर्ष पद के लिए उनका दावा भी मजबूत हुआ है। जबकि, चुनाव में बार-बार असफल होने के चलते चूड़ांकर में यह कमी थी।

कई सीटों पर नजदीकी हार के बाद कांग्रेस में एक रणनीतिकार की कमी पर सभी का ध्यान गया है। इनमें से कई सीटों पर अगर कांग्रेस समान सोच वाले प्रतिद्वंद्वियों को चुनाव से हटाने में सफल हो जाती है, तो यह जीत में बदल सकती थीं। कम से कम तीन सीटों (नावेलिम, वेलिम और दाबोलिम) में पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वोटों से हार गई। पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र की सरकार में दोनों पार्टियां गठबंधन का हिस्सा हैं। उम्मीदवारों के नाम तय करने में देरी के चलते भी कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, कई सीटों पर कमजोर उम्मीदवार उतारने के फैसले ने भी अन्य सीटों पर असर डाला। पार्टी को सत्ता में आने के लिए बची हुई सीटों पर 100 फीसदी स्ट्राइक रेट की जरूरत पड़ी।

इसके अलावा आम आदमी पार्टी और रिवॉल्युशनरी गोअन्स जैसी पार्टियों के चलते कांग्रेस को वोट शेयर के मामले में भी नुकसान हु आहै। हालांकि, केवल एक विधायक (दिगंबर कामत) के साथ मैदान उतरी कांग्रेस का आंकड़ा 11 पर पहुंच गया है। वहीं, पहले 27 सीटों पर जीतने वाली भाजपा 20 सीटों पर आ गई है। साथ ही पार्टी ने भाजपा के दोनों मुख्यमंत्रियों की हार को भी सुनिश्चित किया। इधर, कांग्रेस ने उत्तरी गोवा की बरदेज तालुका में भाजपा को हाथों गंवाई सियासी जमीन को भी दोबारा हासिल कर लिया। मुख्य रूप से इसका श्रेय भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री रहे माइकल लोबो को जाता है, जो कांग्रेस में शामिल हो गए।